www.prepp.in

Prepp
Your Personal Exams Guide

2006

राजनीति विज्ञान एवम् अन्तर्राष्ट्रीय सम्बन्ध

प्रश्नपत्र-I

POLITICAL SCIENCE AND INTERNATIONAL RELATIONS

Paper-I

निर्धारित समय : तीन घण्टे] *[पूर्णांक : 200*

Time allowed : Three Hours] *[Maximum Marks : 200*

नोट : (i) कुल **पाँच** प्रश्नों के उत्तर दीजिए । प्रश्न संख्या **1** तथा **5** अनिवार्य हैं, इनके अतिरिक्त **तीन** अन्य प्रश्नों के उत्तर दीजिए जिनमें से प्रत्येक खण्ड में से कम से कम **एक** प्रश्न हो ।

(ii) **सभी** प्रश्नों के अंक समान हैं ।

Note : (i) Answer **five** questions in all. Question Nos. **1** & **5** are compulsory. Attempt **three** more questions of which at least **one** should be from each Section.

(ii) **All** questions carry equal marks.

खण्ड – अ

SECTION – A

1. निम्नलिखित पर टिप्पणियाँ लिखिए । प्रत्येक टिप्पणी **200** शब्दों से अधिक न हो ।

(अ) 'अपनी प्रजा के सुख में राजा का सुख है, प्रजा के कल्याण में उसका कल्याण है ।' (कौटिल्य)

(ब) 'जब तक दार्शनिक लोग राजा नहीं होंगे, अथवा इस संसार के राजाओं तथा शासकों में दर्शन की भावना तथा शक्ति नहीं होगी, तब तक इस संसार के नगर राज्यों की बुराईयों का अंत नहीं होगा ।' (प्लेटो)

(स) 'लोगों के समाज में प्रवेश करने का कारण ही अपनी संपत्ति की सुरक्षा है ।' (लॉक)

Write notes on the following in not more than **200** words each.

(a) 'In the happiness of his subjects lies the happiness of the king; in their welfare his welfare'. (Kautilya)

(b) 'Until philosophers are Kings, or the Kings and Princes of this world have the spirit and power of Philosophy, Cities will never have rest from their evils'. (Plato)

(c) 'The reason why people enter into society is the preservation of their property.' (Locke)

www.prepp.in

2. राजनीति विज्ञान की प्रकृति और उसके क्षेत्र का संक्षिप्त विवेचन कीजिए और यह बताईये कि किस सीमा तक उसे विज्ञान माना जा सकता है अथवा उसे सत्ता की सफलतापूर्वक प्राप्ति और उसके उपयोग की तकनीक ही माना जा सकता है ।

Briefly discuss the nature and scope of Political Science and examine the extent to which it can be regarded as a Science or only as a technique for the successful acquisition and exercise of power.

3. आधुनिक राजनीतिक सिद्धांत में न्याय की अवधारणा क्या है ? यह स्वतंत्रता तथा समानता से किस तरह संबंधित है ?

What is the concept of justice in Modern Political theory ? How is it related to Liberty and Equality ?

4. लोकतंत्र के उदारवादी तथा मार्क्सवादी सिद्धांत का आलोचनात्मक परीक्षण कीजिए ।

Critically examine the liberal and the Marxist Theory of Democracy.

खण्ड – ब

SECTION – B

5 निम्नलिखित पर टिप्पणियाँ लिखिए । प्रत्येक टिप्पणी **200** शब्दों से अधिन न हो ।

(अ) संघीय शासन

(ब) आनुपातिक प्रतिनिधित्व

(स) राजनीतिक संस्कृति

Write notes on the following is not more than **200** words each.

(a) Federal Government

(b) Proportional Representation

(c) Political Culture

6. भारत के संविधान निर्माण में गांधी, नेहरू तथा अंबेडकर के प्रभाव की विवेचना कीजिए ।

Discuss the influence of Gandhi, Nehru and Ambedkar in the framing of the Indian Constitution.

7. हाल के वर्षों में भारतीय न्यायपालिका की भूमिका गतिशील न्यायिक सक्रियता की रही है । व्याख्या कीजिए ।

The role of Indian Judiciary in recent years has been one of dynamic judicial activism. Elucidate.

8. भारत में छोटे आकार के राज्यों को बनाने के पक्ष का परीक्षण कीजिए ।

Examine the case for the formation of small states in India.